सीसीई मॉडल टैस्ट पेपर–4

हिंदी : कोर्स 'ए'

द्वितीय सत्र (संकलित परीक्षा-II)

(अभ्यास के लिए)

कक्षा : दसवीं

समय : 3 घंटे *पूर्णांक : 90*

सामान्य निर्देश :

(i) इस प्रश्नपत्र के चार खंड हैं–'क', 'ख', 'ग' और 'घ'।

(ii) चारों खंडों के प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है।

(iii) यथासंभव प्रत्येक खंड के उत्तर क्रमानुसार दीजिए।

खंड 'क'

अपठित गद्यांश

प्रश्न 1. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के लिए उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए–

देखने में रक्त लाल द्रव के समान दिखता है, किंतु उसे सूक्ष्मदर्शी द्वारा देखें तो यह भानुमती के पिटारे से कम नहीं। मोटे तौर पर इसके दो भाग होते हैं। एक भाग वह जो तरल है, जिसे हम प्लाज़्मा कहते हैं। दूसरा, वह जिसमें छोटे-बड़े कई तरह के कण होते हैं.....कुछ लाल, कुछ सफ़ेद और कुछ ऐसे जिनका कोई रंग नहीं, जिन्हें प्लेटलेट्स कहते हैं। ये कण प्लाज़्मा में तैरते रहते हैं।

शरीर में हर समय नए कण बनते रहते हैं, जो नष्ट कणों का स्थान ले लेते हैं। हड्डियों के बीच के भाग मज्जा में ऐसे बहुत-से कारखाने होते हैं जो रक्त कणों के निर्माण कार्य में लगे रहते हैं। इनके लिए इन कारखानों को प्रोटीन, लौह तत्व और विटामिन रूपी कच्चे माल की जरूरत होती है। यह कच्चा माल कारखानों में तभी पहुँच पाता है जब तुम उपयुक्त मात्रा में पौष्टिक आहार लेते हो। हरी सब्जी, फल, दूध, अंडा और गोश्त में ये तत्व उपयुक्त मात्रा में होते हैं। यदि कोई व्यक्ति उचित आहार नहीं ग्रहण करता तो इन कारखानों को आवश्यकतानुसार कच्चा माल नहीं मिल पाता। नतीजा यह होता है कि रक्त-कण बन नहीं पाते, रक्त में इनकी कमी हो जाती है। लाल कणों की इसी कमी को अनीमिया कहते हैं।

यों तो अनीमिया बहुत से कारणों से हो सकता है, किंतु हमारे देश में इसका सबसे बड़ा कारण पौष्टिक आहार की कमी है। इसके अलावा इस रोग का एक और बड़ा कारण है पेट में कीड़ों का हो जाना। ये कीड़े प्राय: दूषित जल और खाद्य पदार्थों द्वारा हमारे शरीर में प्रवेश करते हैं। अत: इनसे बचने के लिए यह आवश्यक है कि हम पूरी सफ़ाई से बनाए गए खाद्य पदार्थ ही ग्रहण करें। भोजन करने से पूर्व अच्छी तरह से हाथ धो लें और साफ़ पानी ही पिएँ।

1. देखने में रक्त लाल द्रव के समान होता है, पर सूक्ष्मदर्शी यंत्र द्वारा देखने पर यह _____। (1)

(क) भानुमती के पिटारे से कम नहीं होता (ख) प्लाज्मा दिखाई देता है

(ग) प्लेटलेट्स दिखाई देते हैं (घ) तैरता दिखाई देता है

2. रक्त के जिन कणों का रंग नहीं होता, उन्हें _____। (1)

(क) प्लाज्मा कहते हैं (ख) प्लेटलेट्स कहते हैं

(ग) पिटारा कहते हैं (घ) कुछ नहीं कहते

3. हड्डियों के बीच के भाग को क्या कहते हैं ? (1)

(क) मज्जा (ख) कारखाना

(ग) कच्चा माल (घ) प्रोटीन

4. किस चीज की कमी से अनीमिया रोग होता है ? (1)

(क) रक्त में सफ़ेद कणों की (ख) रक्त में लाल कणों की

(ग) कच्चे माल की (घ) आहार की

5. पेट में कीड़े किस कारण हो जाते हैं ? (1)

(क) पौष्टिक भोजन की कमी से (ख) दूषित जल से

(ग) दूषित खाद्य पदार्थों से (घ) दूषित जल और खाद्य पदार्थों से

प्रश्न 2. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के लिए उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए–

समस्याएँ वस्तुत: जीवन का पर्याय हैं। यदि समस्याएँ न हों, तो आदमी प्राय: अपने को निष्क्रिय समझने लगेगा। ये समस्याएँ वस्तुत: जीवन की प्रगति का मार्ग प्रशस्त करती हैं। समस्या को सुलझाते समय, उसका समाधान करते समय व्यक्ति का श्रेष्ठतम तत्व उभरकर आता है। धर्म, दर्शन, ज्ञान, मनोविज्ञान इन्हीं प्रयत्नों की देन हैं। पुराणों में अनेक कथाएँ यह शिक्षा देती हैं कि मनुष्य जीवन की हर स्थिति में जीना सीखे व समस्या उत्पन्न होने पर उसके समाधान के उपाय सोचे। जो व्यक्ति जितना उत्तरदायित्वपूर्ण कार्य करेगा, उतना ही उसके समक्ष समस्याएँ आएँगी और उनके परिप्रेक्ष्य में ही उसकी महानता का निर्धारण किया जाएगा।

दो महत्त्वपूर्ण तथ्य स्मरणीय हैं–प्रत्येक समस्या अपने साथ संघर्ष लेकर आती है। प्रत्येक संघर्ष के गर्भ में विजय निहित रहती है। एक प्राचार्य ने विद्यालय छोड़ने वाले अपने छात्रों को यह संदेश दिया था–तुम्हें जीवन में सफल होने के लिए समस्याओं से संघर्ष करने का अभ्यास करना होगा। हम कोई भी कार्य करें, सर्वोच्च शिखर पर पहुँचने का संकल्प लेकर चलें। सफलता हमें कभी निराश नहीं करेगी। समस्त ग्रंथों और महापुरुषों के अनुभवों का निष्कर्ष यह है कि संघर्ष से डरना अथवा उससे विमुख होना लौकिक व पारलौकिक सभी दृष्टियों से अहितकर है, मानव धर्म के प्रतिकूल है और अपने विकास को अनावश्यक रूप से बाधित करना है। आप जागिए, उठिए, दृढ़-संकल्प और उत्साह एवं साहस के साथ संघर्ष रूपी विजय-रथ पर चढ़ जाएँ और अपने जीवन के विकास की बाधाओं रूपी शत्रुओं पर विजय प्राप्त करें।

1. समस्याएँ न होने पर जीवन कैसा हो जाता है ? (1)

(क) निष्क्रिय (ख) सक्रिय

(ग) रोचक (घ) आसान

2. समस्याएँ क्या करती हैं ? (1)

(क) जीवन की प्रगति का मार्ग प्रशस्त करती हैं। (ख) जीवन में निराशा लाती हैं।

(ग) जीवन को रोचक बनाती हैं। (घ) जीवन को सरल बनाती हैं।

3. प्रत्येक समस्या क्या लेकर आती है ? (1)

(क) सफलता (ख) असफलता

(ग) संघर्ष (घ) विग्रह

4. संघर्ष के गर्भ में क्या है ? (1)

(क) विजय (ख) पराजय

(ग) विफलता (घ) उत्साह

5. संघर्ष से विमुख होना है _____। (1)

(क) अहितकर (ख) मानव-धर्म के प्रतिकूल

(ग) अपने विकास में बाधा (घ) उपर्युक्त सभी बातें

अपठित काव्यांश

प्रश्न 3. निम्नलिखित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के लिए उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए–

लाल पत्थर लाल मिट्टी
लाल कंकड़ लाल बजरी
लाल फूले ढाक के बन
डाँग गाती फाग कजरी
सनसनाती साँझ सूनी
वायु का कंठला खनकता
झींगुरों की खंजड़ी पर
झाँझ-सा बीहड़ झनकता।
बीच सूने में
बनैले ताल का फैला अतल जल
थे कभी आये यहाँ पर
छोड़ दमयन्ती दुःखी नल।
भूख व्याकुल ताल से ले
मछलियाँ थीं जो पकायीं
शाप के कारण जली ही
वे उछल जल में समायीं
है तभी से साँवली
सुनसान जंगल की किनारी।
हैं तभी से ताल की
सब मछलियाँ मनहूस, काली।
हल कि जिसकी नोक से
बेजान मिट्टी झूम उठती
सभ्यता का चाँद खिलता
जंगलों की रात मिटती।
रंग मिट्टी का बदलता
नीर का सब पाप धुलता
हरे होते पीत ऊसर
स्वस्थ हो जाती, मनुजता
लाल पत्थर, लाल मिट्टी
लाल कंकड़, लाल बजरी
फिर खिलेंगे ढाक के बन
फिर उठेगी फाग कजरी।

1. इस कविता में किसे लाल रंग का बताया गया है ? (1)

(क) पत्थर तथा मिट्टी को
(ख) कंकड़-बजरी को
(ग) लाल फूल ढाक वन के
(घ) उपर्युक्त सभी को

2. **'सनसनाती साँझ सूनी' में किस अलंकार का प्रयोग है ?** (1)

(क) अनुप्रास (ख) यमक

(ग) श्लेष (घ) उपमा

3. **नल ने क्या गलत काम किया था ?** (1)

(क) दमयन्ती को छोड़ने का (ख) ताल की मछलियाँ पकाने का

(ग) मछलियों को उछालने का (घ) वहाँ जंगल में आने का

4. **'सभ्यता का चाँद' कब खिलता है ?** (1)

(क) जब बेजान मिट्टी में हल चलता है। (ख) जब मिट्टी झूम उठती है।

(ग) जब मिट्टी का रंग बदल जाता है। (घ) जब जंगल मिट जाते है।

5. **कौन-सा शब्द 'नीर' का पर्यायवाची नहीं है ?**

(क) वारि (ख) जल

(ग) पानी (घ) नदी

प्रश्न 4. निम्नलिखित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के लिए उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए–

नीलांबर परिधान हरित पट पर सुंदर है,
सूर्य चंद्र युग-मुकुट, मेखला रत्नाकर है,
नदियाँ प्रेम-प्रवाह, फूल तारे मंडल है,
बंदीजन खग-वृंद, शेषफन सिंहासन है
करते अभिषेक पयोद हैं, बलिहारी इस वेश की
हे मातृभूमि! तू सत्य ही, सगुण मूर्ति सर्वेश की;
जिसकी रज में लोट-लोटकर बड़े हुए हैं,
घुटनों के बल सरक-सरक कर खड़े हुए हैं,
परमहंस सम बाल्यकाल में सब सुख पाए,
जिसके कारण 'धूल भरे हीरे' कहलाए,
हम खेले-कूदे हर्षयुत, जिसकी प्यारी गोद में
हे मातृभूमि! तुझको निरख, मग्न क्यों न हो मोद में
निर्मल तेरा नीर अमृत के सम उत्तम है,
शीतल मंद सुगंध पवन हर लेता श्रम है,
षट्ऋतुओं का विविध दृश्य युत अद्भुत क्रम है,
हरियाली का फर्श नहीं मखमल से कम है,
शुचि-सुधा सींचता रात में, तुझ पर चंद्रप्रकाश है
हे मातृभूमि! दिन में तरणि, करता तम का नाश है

1. **'नीलांबर' में किस समास का प्रयोग है ?** (1)

(क) बहुव्रीहि समास (ख) कर्मधारय समास

(ग) तत्पुरुष समास (घ) अव्ययीभाव समास

2. **'रत्नाकर' का सही संधि-विच्छेद है–** (1)

(क) रत्न + आकर (ख) रत्ना + कर

(ग) रत् + नाकर (घ) रत्न + कर

3. इस कविता में किसकी वंदना की गई है ? (1)

(क) मातृभूमि की (ख) परमहंस की

(ग) नदियों की (घ) रत्नाकर की

4. 'शुचि सुधा सींचता' में किस अलंकार का प्रयोग है ? (1)

(क) उपमा (ख) अनुप्रास

(ग) रूपक (घ) श्लेष

5. मातृभूमि को कैसा बताया गया है ? (1)

(क) ईश्वर की सगुण मूर्ति (ख) बलिहारी जाने वाली

(ग) बंदीजनों का गुणगान वाली (घ) रत्नाकर-सी

खंड 'ख'

व्यावहारिक व्याकरण

प्रश्न 5. निम्नलिखित वाक्यों में रेखांकित पदों का पद-परिचय दीजिए– (5 × 1 = 5)

(क) गाय दूध देती है।

(ख) कोई चिल्ला रहा है।

(ग) काला घोड़ा दौड़ रहा है।

(घ) माली फूल तोड़ रहा है।

(ङ) अरे! तुम कब आए ?

प्रश्न 6. निर्देशानुसार कीजिए– (5 × 1 = 5)

(क) शेर दिखाई दिया। सब लोग डर गए। (संयुक्त वाक्य बनाइए)

(ख) घर में चोर घुसा। लोग जाग गए। (मिश्र वाक्य बनाइए)

(ग) जो व्यक्ति परिश्रम करता है, वह सफल होता है। (सरल वाक्य बनाइए)

(घ) आप अंदर जाकर बैठ जाइए। (संयुक्त वाक्य में बदलिए)

(ङ) तुम बस खड़े होने के स्थान पर चले जाओ। (मिश्र वाक्य में बदलिए)

प्रश्न 7. निर्देशानुसार वाच्य परिवर्तन कीजिए– (5 × 1 = 5)

(क) जैनेंद्र द्वारा 'परख' उपन्यास लिखा गया। (कर्तृवाच्य में)

(ख) मैने यह गिलास तोड़ा है। (कर्मवाच्य में)

(ग) मैं खड़ा नहीं हो सकता। (भाववाच्य में)

(घ) आपका काम कर दिया गया है। (वाच्य बताओ)

(ङ) नीलिमा पुस्तक पढ़ रही है। (वाच्य बताओ)

प्रश्न 8. निम्नलिखित में प्रयुक्त अलंकार का नाम लिखिए– (5 × 1 = 5)

(क) माला फेरत जुग भया, फिरा न मन का फेर।,
कर का मनका डारिदे, मन का मनका फेर।

(ख) रघुपति राघव राजा राम।

(ग) मधुबन की छाती को देखो, सूखी इसकी कितनी कलियाँ।

(घ) मखमल के झूल पड़े हाथी-सा टीला।

(ङ) लो यह लतिका भी भर लाई मधु-मुकुल नवल रस गागरी।

खंड 'ग'

प्रश्न 9. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के लिए उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए–

पर यह सब तो मैंने केवल सुना। देखा, तब तो इन गुणों के भग्नावशेषों को ढोते पिता थे। एक बहुत बड़े आर्थिक झटके के कारण वे इंदौर से अजमेर आ गए थे, जहाँ उन्होंने अपने अकेले के बलबूते और हौसले से अंग्रेज़ी-हिंदी शब्दकोश (विषयवार) के अधूरे काम को आगे बढ़ाना शुरू किया जो अपनी तरह का पहला और अकेला शब्दकोश था। इसने उन्हें यश और प्रतिष्ठा तो बहुत दी, पर अर्थ नहीं और शायद गिरती आर्थिक स्थिति ने ही उनके व्यक्तित्व के सारे सकारात्मक पहलुओं को निचोड़ना शुरू कर दिया। सिकुड़ती आर्थिक स्थिति के कारण और अधिक विस्फारित उनका अहं उन्हें इस बात तक की अनुमति नहीं देता था कि वे कम-से-कम अपने बच्चों को तो अपनी आर्थिक विवशताओं का भागीदार बनाएँ। नवाबी आदतें, अधूरी महत्त्वाकांक्षाएँ, हमेशा शीर्ष पर रहने के बाद हाशिए पर सरकते चले जाने की यातना क्रोध बनकर हमेशा माँ को कँपाती-थरथराती रहती थीं। अपनों के हाथों विश्वासघात की जाने कैसी गहरी चोटें होंगी वे जिन्होंने आँखें मूँदकर सबका विश्वास करने वाले पिता को बाद के दिनों में इतना शक्की बना दिया था कि जब-तब हम लोग भी उसकी चपेट में आते ही रहते।

1. लेखिका के पिता इंदौर से अजमेर क्यों आ गए थे ? (1)

(क) आर्थिक तंगी के कारण (ख) नौकरी के कारण

(ग) स्थान परिवर्तन के कारण (घ) व्यापार के कारण

2. अजमेर आकर उन्होंने किस काम को आगे बढ़ाना शुरू किया ? (1)

(क) व्यापार के काम को (ख) पढ़ाने के काम को

(ग) शब्दकोश के अधूरे काम को (घ) अन्य किसी काम को

3. पिताजी के व्यक्तित्व के सकारात्मक पहलुओं को किसने निचोड़ना शुरू कर दिया ? (1)

(क) काम के अत्यधिक बोझ ने (ख) गिरती आर्थिक स्थिति ने

(ग) विवशताओं ने (घ) अधूरी इच्छाओं ने

4. पिताजी के क्रोध के मूल में क्या था ? (1)

(क) अधूरी महत्त्वाकांक्षाएँ (ख) हाशिए पर सरकते चले जाना

(ग) आर्थिक विवशताएँ (घ) उपर्युक्त सभी बातें

5. विश्वासघात की चोट खाकर पिताजी किस प्रकार के बन गए थे ? (1)

(क) शक्की (ख) झक्की

(ग) क्रोधी (घ) विक्षिप्त

अथवा

काशी में संगीत आयोजन की एक प्राचीन एवं अद्‌भुत परंपरा है। यह आयोजन पिछले कई बरसों से संकटमोचन मंदिर में होता आया है। यह मंदिर शहर के दक्षिण में लंका पर स्थित है व हनुमान जयंती के अवसर पर यहाँ पाँच दिनों तक शास्त्रीय एवं उपशास्त्रीय गायन-वादन की उत्कृष्ट सभा होती है। इसमें बिस्मिल्ला खाँ अवश्य रहते हैं। अपने मजहब के प्रति अत्यधिक समर्पित उस्ताद बिस्मिल्ला खाँ की श्रद्धा काशी विश्वनाथ जी के प्रति भी अपार है। वे जब भी काशी से बाहर रहते हैं तब विश्वनाथ व बालाजी मंदिर की दिशा की ओर मुँह करके बैठते हैं। थोड़ी देर ही सही, मगर उसी ओर शहनाई का प्याला घुमा दिया जाता है और भीतर की आस्था रीड के माध्यम से बजती है। खाँ साहब की एक रीड 15 से 20 मिनट के अंदर गीली हो जाती है। तब वे दूसरी रीड का इस्तेमाल कर लिया करते हैं।

1. काशी में किसकी अद्‌भुत परंपरा है ? (1)

(क) मेलों के आयोजन की (ख) संगीत आयोजन की

(ग) खेलों के आयोजन की (घ) शहनाई वादन की

2. संगीत सभा का आयोजन कहाँ होता आया है ? (1)

(क) विश्वनाथ मंदिर में (ख) संकटमोचन मंदिर में

(ग) गंगा-तट पर (घ) विशाल मैदान में

3. यह कार्यक्रम कितने दिनों तक चलता है ? (1)

(क) दो दिनों तक (ख) तीन दिनों तक

(ग) पाँच दिनों तक (घ) एक सप्ताह तक

4. बिस्मिल्ला खाँ की अपार श्रद्धा किसके प्रति थी ? (1)

(क) विश्वनाथ के प्रति (ख) बालाजी के प्रति

(ग) विश्वनाथ व बालाजी के प्रति (घ) मस्जिद के प्रति

5. रीड के माध्यम से क्या बजती है ? (1)

(क) भीतर की आस्था (ख) बाहरी साधना

(ग) शहनाई (घ) संगीत

प्रश्न 10. 'एक कहानी यह भी' पाठ की लेखिका के व्यक्तित्व को बनाने में किन-किन व्यक्तियों का योगदान किस रूप में रहा ? (4)

प्रश्न 11. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में दीजिए– (3 × 2 = 6)

(क) मनुष्य के जीवन में आस-पड़ोस का बहुत महत्त्व होता है। बड़े शहरों में रहने वाले लोग प्रायः 'पड़ोस कल्चर' से वंचित रह जाते हैं।'–कैसे और क्यों ?

(ख) 'स्त्रियों को पढ़ाने से अनर्थ होते हैं'–क्या आप इस कथन से सहमत हैं ? तर्क दीजिए।

(ग) बिस्मिल्ला खाँ की उन दो विशेषताओं को लिखिए जो आपको प्रभावित करती हैं।

प्रश्न 12. निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए– (5 × 1 = 5)

बिहसि लखनु बोले मृदु बानी। अहो मुनीसु महा भटमानी।।
पुनि पुनि मोहि देखाव कुठारू। चहत उड़ावन फूँकि पहारू।।

(क) 'बिहसि' पद के प्रयोग-सौंदर्य पर टिप्पणी कीजिए।

(ख) लक्ष्मण ने मधुर वाणी में क्या व्यंग्य किया ?

(ग) लक्ष्मण ने परशुराम के लिए किन विशेषणों का प्रयोग किया और क्यों ?

(घ) परशुराम का बार-बार कुल्हाड़ा दिखाना क्या व्यक्त करता है ?

(ङ) भाषा-सौंदर्य स्पष्ट कीजिए–'चहत उड़ावन फूँकि पहारू'।

अथवा

मुख्य गायक के चट्टान जैसे भारी स्वर का साथ देती
वह आवाज़ सुंदर कमज़ोर काँपती हुई थी
वह मुख्य गायक का छोटा भाई है
या उसका शिष्य
या पैदल चलकर सीखने आने वाला दूर का कोई रिश्तेदार
मुख्य गायक की गरज़ में
वह अपनी गूँज मिलाता आया है प्राचीन काल से ।

(क) संगतकार की आवाज कैसी है ?

(ख) संगतकार का काम क्या है ?

(ग) संगतकार के साथ गायक का संबंध बताते हुए 'या' का प्रयोग क्यों किया गया है ?

(घ) मुख्य गायक की आवाज में कौन-सा गुण है ?

(ङ) कवि और कविता का नाम लिखिए।

प्रश्न 13. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में दीजिए– (2 × 5 = 10)

(क) 'छाया मत छूना' कविता हमें क्या संदेश देती है ?

(ख) 'कन्यादान' कविता में लड़की की क्या छवि उभरती है ?

(ग) लक्ष्मण के आरोप सुनकर परशुराम पर क्या प्रतिक्रिया हुई ?

(घ) 'माँ द्वारा यह कहना कि लड़की होने पर भी लड़की जैसी दिखाई मत देना'–से क्या आशय है ?

(ङ) 'हर चंद्रिका में छिपी एक रात कृष्णा है' में किस जीवन-सत्य का बोध होता है ?

प्रश्न 14. 'साना-साना हाथ जोड़ि' पाठ में प्रकृति के जल-संचय की व्यवस्था का उल्लेख है। वर्तमान जल-संकट में एक नागरिक के रूप में आप किस भूमिका का निर्वाह कर सकते हैं ? **(मूल्य आधारित प्रश्न)** (4)

प्रश्न 15. किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में दीजिए– (2 × 3 = 6)

(क) 'मैं क्यों लिखता हूँ' पाठ के आधार पर बताइए कि किसी रचनाकार की प्रेरणास्रोत किसी दूसरे को कुछ रचने के लिए किस तरह उत्साहित कर सकता है।

(ख) दुलारी के मन में टुन्नू के प्रति किस प्रकार के भावों का उदय हुआ ?

(ग) 'एवर वंडर्ड टू डिफाइंड डेथ टू बिल्ड दीज रोड्स।' (आप ताज्जुब करेंगे पर इन रास्तों को बनाने में लोगों ने मौत को झुठलाया है।)–इस कथन के आलोक में पर्वतीय क्षेत्रों में सड़क-निर्माण में आने वाली बाधाओं पर टिप्पणी कीजिए।

(घ) 'एही ठैयाँ झुलनी हेरानी हो रामा' पाठ के आधार पर बताइए कि भारत के स्वाधीनता आंदोलन में दुलारी और टुन्नू ने अपना योगदान किस प्रकार दिया ?

खंड 'घ'

प्रश्न 16. दिए गए संकेत बिंदुओं के आधार पर किसी एक विषय पर लगभग 100 शब्दों में एक अनुच्छेद लिखिए– (5)

(क) **मुझे भारतीय होने पर गर्व है**

- भारतीय होना
- गर्व का कारण
- भारत की विशेषताएँ

(ख) **बाढ़ का दृश्य**

- कब और कहाँ
- विनाशलीला
- राहत कार्य

(ग) **कैसे भूलूँ उस दिन को**

- दिन विशेष का संदर्भ
- न भूलने का कारण
- मन पर प्रभाव

प्रश्न 17. बस के कंडक्टर ने आपके साथ अभद्र व्यवहार किया है, परिवहन-विभाग के प्रबंधक को पत्र द्वारा शिकायत कीजिए। (5)

अथवा

विदेश में जा बसे अपने चाचा को पत्र लिखकर समझाइए कि उन्हें भारत क्यों लौट आना चाहिए।